राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिला अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित जनपदीय क्वालिटी एश्योरेंस समिति की बैठक दिनांक- 27.03.17 की कार्यवृत्ति -

बैठक में उपस्थिति –

1.मुख्य चिकित्साधिकारी,मीरजापुर|
2.अपर मुख्य चिकित्साधिकारी(आर०सी०एच०),मीरजापुर|
3.मुख्य चिकित्सा अधीक्षक,जिला मंडलीय चिकित्सालय,मीरजापुर|
4.मुख्य चिकित्सा अधीक्षक,जिला महिला चिकित्सालय,मीरजापुर|
5.अधीक्षक सामु०स्वा०केंद्र-चुनार,कछवा,शिखर,मीरजापुर|
6.प्रभारी चिकित्साधिकारी प्रा०स्वा०केंद्र-चुनार,विजयपुर,मीरजापुर|
7.डा०मंजूलता,स्त्रीरोग विशेषज्ञ,जिला महिला चिकित्सालय,मीरजापुर|
8.डॉ० नीलेश श्रीवास्तव,एनेस्थेटिस्ट,जिला महिला चिकित्सालय,मीरजापुर|
9.डॉ० आर०के०सिंह,बाल रोग विशेषज्ञ, जिला मंडलीय चिकित्सालय,मीरजापुर|
10.डॉ० प्रदीप कुमार,फिजिशियन, जिला मंडलीय चिकित्सालय,मीरजापुर|
11.डॉ०अर्चना कसेरा,ओमकार क्लिनिक,दंकीनगंज,मीरजापुर|
12.श्री आशुतोष अग्रवाल(डी०जी०सी०क्रिमिनल),कार्यालय जिला न्यायधीश,मीरजापुर|
13.श्रीमती पानमती मैट्रन, जिला मंडलीय चिकित्सालय,मीरजापुर|

कार्यवाही-

जनपदीय क्वालिटी एश्योरेंस समिति की बैठक दिनांक 27.03.17 को अपरान्ह 12 बजे जिलाधिकारी महोदया की अध्यक्षता में आयोजित हुई|

जिलाधिकारी महोदया की अनुमति से बैठक को प्रारंभ करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी अधिकारी द्वारा समस्त प्रतिभागियों का स्वागत किया गया| तदोपरांत जनपदीय क्वालिटी कंसलटेंट द्वारा निम्नानुसार बैठक हेतु प्रस्तुतिकरण किया गया| बैठक में निम्नलिखित बिन्दुओ पर चर्चा एवं समीक्षा करते हुए निर्णय लिए गए|

1.सर्वप्रथम जनपदीय क्वालिटी कंसलटेंट द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर बनी कमेटियों का विवरण प्रस्तुत किया गया,जिसमें जिलाधिकारी द्वारा सभी अधिक्षको एवं प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया गया की जहाँ पर कमेटियो का निर्माण नहीं हुआ है वहां उसे बना के समसामयिक बैठक आयोजित की जायें एवं इसके सापेक्ष में क्वालिटी एश्योरेंस सेल को अवगत कराया जाये|

2.वित्तीय वर्ष 2017-18 में कायाकल्प के अंतर्गत समायोजित नवीन चिकित्सा इकाईयों का विवरण प्रस्तुत किया गया एवं जिलाधिकारी ने क्वालिटी कंसलटेंट को निर्देशित किया कि इसके अंतर्गत मीरजापुर की समस्त स्वास्थ्य इकाईयों पर सुदृढकरण हेतु कार्य करने की आवश्यकता है|

3.कायाकल्प योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य इकाईयों का स्कोर प्रस्तुतीकरण-राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत स्वच्छ भारत अभियान की दिशा में कायाकल्प अवार्ड योजना के अंतर्गत चिकित्सालयों के मूल्यांकन से सम्बंधित स्कोर प्रस्तुत किया गया एवं उनकी समीक्षा की गयी| समीक्षा में पाया गया की चिकित्सालयों में कुछ हद तक सुधार हुए है किन्तु उनमें अपेक्षित सुधार कर उनका स्कोर बढ़ाये जाने की आवश्यकता है जिससे कायाकल्प अवार्ड योजना में जनपद मीरजापुर की अपेक्षित सहभागिता हो सके|

4.क्वालिटी एश्योरेंस के अंतर्गत के०पी०आई० रिपोर्टिंग की मासिक समीक्षा-जनपदीय क्वालिटी कंसलटेंट द्वारा जिला महिला चिकित्सालय मीरजापुर की के०पी०आई० रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी एवं जिला अधिकारी महोदया को अवगत कराया गया कि अन्य स्वास्थ्य इकाईयों की मासिक के०पी०आई०रिपोर्ट प्राप्त नहीं हो रही है जिसके सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अन्य इकाईयों के प्रभारियो निर्देशित किया की अग्रिम माह से सभी इकाईयों से रिपोर्ट क्यू०ए०सेल को प्रेषित किया जाना सुनिश्चित हो|

5. कायाकल्प चेकलिस्ट के आधार पर चिकित्सा इकाइयों के सामान्य गैप्स की समीक्षा-चिकित्सालय के छः थीमेटिक एरिया के प्रमुख गैप्स प्रस्तुत किये गए एवं उन्हें दूर करने के निर्णय लिए गए-

- जनपदीय कंसलटेंट द्वारा यह अवगत कराया गया कि कायाकल्प चेकलिस्ट के बिन्दुओं के आधार पर जिला चिकित्सालय ने अपने दोनों मुख्य द्वारो पे कैटल ट्रैप की व्यवस्था करायी है ,किन्तु अन्य इकाईयों पर अभी कोई व्यवस्था नहीं है ,इसके सम्बन्ध में जिलाधिकारी महोदया ने ये निर्देश दिया कि अन्य इकाईयों पे भी ये व्यवस्था अनटाईड फण्ड से करना सुनिश्चित की जाये|

- जिला चिकित्सालय ने कायाकल्प की चेकलिस्ट का प्रयोग करते हुए अपने परिसर में पेस्ट कण्ट्रोल हेतु हाउसकीपिंग के आउटसौर्सिंग के साथ ये व्यवस्था सुनिश्चित करायी है किन्तु अन्य चिकित्सा इकाईयों पे इससे सम्बंधित कोई व्यवस्था नहीं है ,इसी क्रम में जनपदीय कंसलटेंट ने ये अवगत कराया कि दो फर्म से पेस्ट कण्ट्रोल हेतु कोटेशन लिया जा चुका है एवं इकाईयों को शीघ्र ही उपलब्ध करा दिया जायेगा एवं इसे अपने स्तर से कार्यवाही कर शीघ्र ही पेस्ट कण्ट्रोल उपाय करना सुनिश्चित करें|

- चिकित्सालयों में जल दुरूपयोग को रोकने हेतु कोई स्टाफ नामित नहीं है इसपर जिलाधिकारी महोदया को जनपदीय कंसलटेंट द्वारा यह बताया गया कि इस व्यवस्था हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी की तरफ से किसी स्टाफ को नामित किया जाये |

- परिसर के शौचालयों की सफाई व्यवस्था संतोषप्रद न बताने पे मुख्य विकास अधिकारी द्वारा इस पर कड़ा असंतोष प्रकट करते हुए बताया की इसके निरीक्षण हेतु कभी भी विजिट की जा सकती है अतः सभी को अपने परिसर की स्वच्छता पर विशेष ध्यान की आवश्यकता है|

- चिकित्सालय एवं स्वास्थ्य केन्द्रों पर डॉक्टर एवं मरीज की पर्सनल हाईजीन को ध्यान में रखते हुए क्वालिटी कंसलटेंट ने अपने विजिट के माध्यम से यह अवगत कराया कि आवश्यकता अनुसार लिक्विड सोप एवं क्लीनिंग मटेरियल उपलब्ध नहीं रहता अतः जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिया कि सभी आवश्यक मैटेरियल्स की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये|

- बायो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट ट्रांसपोर्टेशन हेतु जिलाधिकारी महोदय ने इसको बंद ट्राली में कराये जाने का निर्देश दिया तथा बायो-मेडिकल वेस्ट स्टोरेज के सम्बन्ध में इकाईयों पे वेस्ट स्टोरेज की व्यवस्था मानकानुसार की जाये|इसके क्रम में जनपदीय कंसलटेंट द्वारा बताया गया कि जिला चिकित्सालय पर इस स्टोरेज रूम के निर्माण की प्रक्रिया विचाराधीन है|

- इसी प्रकार नीडल स्टिक इंजरी हेतु कोई आवश्यक प्रोटोकॉल फॉलो नहीं किया इसके सम्बन्ध में जिलाधिकारी महोदय ने निर्देशित किया कि स्टाफ एवं मरीज को नीडल प्रिक की दशा में नीडल इंजरी फॉर्म भरवाए जायें एवं आवश्यक कदम उठाये जायें|

- परिसर के ओवर हेडेड पानी के टैंक की साफ़ सफाई एवं क्लोरिनेशन के सम्बन्ध चिकित्सालयों में कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं है अतः जिलाधिकारी ने ये निर्देश दिया कि परिसर के जल का सामयिक कल्चर कराया जाये एवं परिसर के जल का क्लोरिनेशन प्रत्येक माह अनिवार्य रूप से कराया जाना सुनिश्चित हो|

- परिसर में स्टाफ द्वारा ड्रेस कोड का अनुपालन नहीं किया जाता एवं कुछ स्टाफ के पास नेम प्लेट्स एवं आई०डी०कार्ड उपलब्ध नहीं हैं,जिसके लिए जिलाधिकारी ने सभी अधीक्षकों को निर्देशित किया कि ड्रेस कोड का पालन सभी को अनिवार्य रूप से कराया जाये एवं सभी को नाम प्लेट्स शीघ्र से शीघ्र उपलब्ध करई जायें|

- **चिकित्सालयों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों पर हुए बदलावों एवं गुड प्रैक्टिसेज की चर्चा-**
- जिला चिकित्सालय में सभी कमेटियों का गठन किया जा चुका है एवं नियमतः इनकी मीटिंग भी सम्पादित की जा रही है|
- जिला चिकित्सालय में पेस्ट कण्ट्रोल की व्यवस्था भी हाउसकीपिंग के साथ-साथ की जा रही है|
- जिला चिकित्सालय एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र विजयपुर में सभी मरीजों हेतु आवश्यक मात्र में मच्छरदानी भी उपलब्ध है|
- जिला अस्पताल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का डिस्प्ले बोर्ड प्रकाशयुक्त है एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चुनार में इसको लगवाने हेतु आर्डर दिया जा चुका है|
- हाउसकीपिंग के सभी रिकार्डर्स एवं चेकलिस्ट जिला चिकित्सालय में सुचारू रूप से मौजूद हैं एवं थ्री बकेट ट्राली मोप्पिंग के लिए प्रयोग में लायी जा रही है|
- जिला चिकित्सालय के मुख्य द्वार पे कैटल को रोकने हेतु कैटल ट्रैप लगाया जा चुका है|
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चुनार एवं सामुदायिक स्वास्त्य केंद्र कछवा में परिसर की गार्डनिंग एवं लैंडस्केपिंग की गयी है एवं हर्बल गार्डन हेतु कुछ पौधों का रोपण भी हुआ है|
- चिकित्सालय परिसर के जल एवं क्रिटिकल एरियाज का सर्वेल्लिंस जिला चिकित्सालय में कराया जा रहा है|
- जिला चिकित्सालय में पोलुशन कण्ट्रोल बोर्ड से एन०ओ०सी०प्राप्त की जा चुकी है|
- स्टेट्री कोम्प्लिंस को पूरा करने की दिशा में सभी इकाईयों पे फायर सेफ्टी आडिट कराई जा चुकी है एवं ऑडिट से सम्बन्धी दिशा निर्देश एवं बजट एस्टीमेट से शासन को अवगत कराया जा चुका है|

इसके पश्चयात एन०क्यू० एस०के बारे में जनपद कंसलटेंट द्वारा बताया गया कि इसे कायाकल्प के अधीन चयनित सभी इकाईयों पर त्रैमासिक असेसमेंट कर के लागू किया जायेगा|

फैमिली प्लानिंग एवं इन्डेमनिटी कमेटी के अंतर्गत हुए असफल नसबंदी केस की समीक्षा-

फैमिली प्लानिंग एवं इन्डेमनिटी समिति के अंतर्गत शामिल केसेस पे विस्तृत चर्चा करते हुए तीन असफल नसबंदी केसों की चर्चा की गयी जिसका विवरण जनपदीय परामर्शदाता द्वारा निम्नवत दिया गया-

1.प्रथम लाभार्थी श्रीमती कलावती देवी पत्नी श्री बबलू यादव ग्राम रामपुर पोस्ट बल्ली परवा,मीरजापुर की नसबंदी दिनांक-05.04.2011 को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चील्ह पे हुई थी एवं लाभार्थी ने दिनांक-11.09.2016 को समस्त साक्ष्यो के साथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में इसकी सूचना दी|
2.द्वितीय असफल केस श्रीमती कलावती देवी,पत्नी श्री शम्भू पटेल,ग्राम कूर्वाकखुर्द,पोस्ट सक्तेशगढ़ मीरजापुर,की नसबंदी दिनांक-20.10.12 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र-अहरौरा में हुई थी तथा लाभार्थी के पति द्वारा दिनांक-16.02.16 को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में असफलता की जानकारी दी,एवं समस्त आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किये|
3.तृतीय केस श्रीमती मंजू देवी,पत्नी श्री दिनेश ग्राम जाफराबाद,पोस्ट चतुरीपुर मीरजापुर,की नसबंदी दिनांक-07.01.14,को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जमालपुर,मीरजापुर में हुआ था,जिसकी असफलता की सूचना ,समस्त आवश्यक अभिलेखों एवं साक्ष्यो के साथ कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी में दिनांक-13.10.15 प्रस्तुत की गयी|

उपरोक्त समस्त केसों के बारे में जिलाधिकारी द्वारा यह निर्देश दिया गया कि समस्त साक्ष्य एवं अभिलेख समिति के सदस्यों द्वारा सत्यापित करने के पश्चात उनके समक्ष प्रस्तुत किया जाये|

बैठक के अंत में मुख्य चिकित्साधिकारी बैठक में दिए गए निर्देशों का पालन करते हेतु निर्देशित किया तथा समस्त प्रतिभागियों को धयवाद देते हुए बैठक समाप्ति की घोषणा की|

मुख्य चिकित्साधिकारी
मीरजापुर|

जिलाधिकारी
मीरजापुर|

पत्रांक संख्या-मु० चि० अ०/डी०क्यू०सी०/कार्यवृत्ति/2016-17 दिनांक .. 04/17

प्रतिलिपि-निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-
1.मिशों निदेशक,राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन लखनऊ,उ०प्र०|
2.महाप्रबंधक,क्वालिटी एश्योरेंस,एन०एच० एम० , लखनऊ,उ०प्र०|
3.जिलाधिकारी/अध्यक्ष,जिला स्वास्थ्य समिति,मीरजापुर|
4.अपर निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,विन्ध्याचल मंडल,मीरजापुर|
5.मुख्य चिकित्सा अधीक्षक,जिला मंडलीय चिकित्सालय,मीरजापुर|
6.मुख्य चिकित्सा अधीक्षक,जिला महिला चिकित्सालय,मीरजापुर|
7.अधीक्षक सामु० स्वा० केंद्र-चुनार,कछवा,|
8.प्रभारी चिकित्साधिकारी प्रा० स्वा० केंद्र-चुनार,विजयपुर,हलिया|

मुख्य चिकित्साधिकारी
मीरजापुर|

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अर्न्तगत जिला अधिकारी कीअध्यक्षता में आयोजित जनपदीय क्वालिटी एश्योरेन्स समिति की बैठक दिनांक 29.09.2016 की कार्यवृत्तिः–

बैठक में उपस्थिति –

1. मुख्य चिकित्साधिकारी,मीरजापुर।
2. अपर मुख्य चिकित्साधिकारी,(आर0सी0एस0)मीरजापुर।
3. मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला मण्डलीय चिकित्सालय,मीरजापुर।
4. मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला महिला चिकित्सालय,मीरजापुर।
5. अधीक्षक सामु0 स्वास्थ्य केन्द्र चुनार,मीरजापुर।
6. प्रभारी चिकित्सधिकारी प्रा0स्वा0केन्द्र चुनार,मीरजापुर।
7. डा0 श्रद्धा मौर्या स्त्री रोग विशेषज्ञ जिला महिला चिकित्सालय मीरजापुर।
8. डा0 नीलेश श्रीवास्त एनेस्थेटिस्ट जिला महिला चिकित्सालय मीरजापुर।
9. डा0 आर0 के0 सिह बाल रोग विशेषज्ञ जिला मण्डलीय चिकित्सालय,मीरजापुर।
10. डा0 प्रदीप कुमार फिजिशियन जिला मण्डलीय चिकित्सालय,मीरजापुर।
11. डा0 अर्चाना कसेरा ओमकार क्लिनिक डंकीनगंज,मीरजापुर।
12. श्री आशुतोष अग्रवाल (डी0जी0सी0, क्रिगिनल) कार्यालय जिला न्यायाधीश गीरजापुर।
13. श्रीमती पानमती मेट्रेन DH जिला मण्डलीय चिकित्सालय,मीरजापुर।

कार्यावाही '–

मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जिलाधिकारी महोदया की अनुमति से प्रारम्भ करतें हुए समस्त प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। तदोपरान्त जनपदीय क्वालिटी कन्सलटेंट द्वारा निम्मनानुसार बैठक हेतु प्रस्तुती करण किया गया। बैठक में निम्नलिखित बिन्दुओं पर चर्चा एवं समीक्षा करते निर्णय लिये गये।

1– पूर्व में गठित क्वालिटी एश्योरेन्स कमेटी के सदस्यों का कार्य एवं दायित्वों पर चर्चाः–

पूर्व में गठित की गयी क्वालिटी एश्योरेन्स कमेटी के सदस्यो का पुनर्गठन निम्नवत प्रतावित किया गया है–

क्रमांक	नाम/पद नाम	
1	जिलाधिकारी, मीरजापुर।	अध्यक्ष
2	मुख्य चिकित्साधिकारी, मीरजापुर।	संयोजक
3	डॉ0 आर0 एस0 राम, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी (आर0सी0एच0)	सदस्य/सचिव
4	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला चिकित्सालय, मीरजापुर।	सदस्य
5	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला महिला चिकित्सालय, मीरजापुर।	सदस्य
6	अधीक्षक/प्रभारी चिकित्साधिकारी, सामु0/प्राथ0 स्वा0 केन्द्र, मरीजापुर। (बारी से)	सदस्य
7	डॉ0 श्रद्धा मौर्या, स्त्री रोग विशेषज्ञ, जिला महिला चिकित्सालय, मीरजापुर।	सदस्य
8	डॉ संजय पाण्डेय, शल्य चिकित्सक, जिला महिला चिकित्सालय, मीरजापुर।	सदस्य
9	डॉ निलेश श्रीवास्तव, एनेस्थेटिस्ट, जिला महिला चिकित्सालय, मीरजापुर।	सदस्य
10	डॉ0 आर0 के0 सिंह, बाल रोग विशेषज्ञ, जिला चिकित्सालय, मीरजापुर।	सदस्य
11	डॉ0 प्रदीप, फिजिसियन, जिला चिकित्सालय, मीरजापुर।	सदस्य
12	श्रीमती पान कुमारी, जिला चिकित्सालय, मीरजापुर।	सदस्य
13	जनपद स्तर के विधिक सेल के प्रतिनिधि श्री आशुतोष अग्रवाल, कार्यालय जिला न्यायाधीश, मीरजापुर।	सदस्य
14	डॉ0 अर्चना कटेरा, ओमकार क्लीनिक,जगत साहू की गली, डंकीनगंज, मीरजापुर।	सदस्य

इसके कार्य एवं दायित्वो के सम्बन्ध में जनपदीय क्वालिटी कन्सलटेन्ट द्वारा निम्न बिन्दुओं से अवगत कराया गया–

- जनपद स्तर क्वालिटी एश्योरेन्स सम्बन्धी नीतियों एवं चिकित्सालय के अधीक्षक, क्वालिटी टीम एवं जनपद स्तरीय क्वालिटी एश्योरेन्स यूनिट के सदस्यों का कार्यक्रम सम्बन्धी अभिमुखीकरण तथा प्रशिक्षण प्रदान किया जाना।
- जनपद स्तर पर लक्ष्य चिकित्सा स्वास्थ्य इकाईयों को निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप सुदृढ़ करना।
- निर्धरित चेकलिस्ट की अनुसार असेसमेन्ट, गैप्स चिन्हित करना तथा गैप सम्बन्धी कएार्यवाही सुनिश्चित करना।
- विभिन्न कार्यक्रमों के अन्तर्गत क्वालिटी सम्बन्धी क्वालिटी सम्बन्धी महत्वपूर्ण परफॉरमेन्स संकेतको (के0पी0आई0) की समीक्षा।

2– कायाकल्प अवार्ड योजना का प्रस्तुतीकरण एंव समीक्षाः–

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अर्न्तगत **'स्वच्छ भारत अभियान'** की दिशा में कायाकल्प अवार्ड योजना जिसके अर्न्तगत चिकित्सालयों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान केन्द्रित करने की अपेक्षा की गयी ।

- कायाकल्प के अवार्ड अधारित मानक जिनकी चिकित्सालयों के 6 थिमैटिक एरिया के आधार पर मूल्याकंन कराया जाना है उनमें अपेक्षित सुधार के निर्णय लिये गये।
- कायाकल्प के अवार्ड योजना के अर्न्तगत थ्रि–टायर असेसमेन्ट मूल्यांकनः–यदि अस्पताल इसमे 70 प्रतिशत से अधिक स्कोर करता है तो उसका पीयर असेसमेन्ट और जो अस्पताल उसमें 70 प्रतिशत स्कोर करते है उन्हे बाह्य मूल्यांकन मे नामित कर अवार्ड के लिए प्रत्योसाहित किया जायेगा।

3– जिला चिकित्सालयों का कायाकल्प चेकलिस्ट के आधार पर मूल्यांकनः–

चिकित्सालय के छः थिमैटिक एरिया का इन्टरनल असेसमेन्ट प्रस्तुत किया गया एवं प्रमुख गैप दूर करने के निर्णय लिये गये–

- इसमें जिलाधिकारी महोदया ने निर्देशित किया कि जिला मण्डलीय चिकित्सालय, जिला महिला चिकित्सालय, एफ0आर0यू0/नॉन एफ0आर0यू0, सी0एच0सी0, 24×7 पी0एच0सी के अधीक्षक/प्रभारीयों द्वारा फैसिलिटी क्वालिटी इम्प्रुवमेंट चेक लिस्ट का उपयोग करते हुये सैल्फ असेसमेन्ट किया जाय एवं चिन्हित गैप्स दुर किये जाये।
- चिकित्सालय रख–रखाव के क्षेत्र में महिला चिकित्सालय में प्रमुख गैप जैसे कैटल ट्रेप लगवाने,अस्पताल के मुख्य द्वार पे ग्लोशाइन बोर्ड के प्रकाश रहित होना, मुख्य क्षेत्र का लैण्डस्केपिंग एव गार्डनिंग, अस्पताल में पब्लिक ट्रेकिक का अतिक्रमण इत्यादि विषयों में गैप्स दूर करने को निर्देशित किया गया।
- अस्पताल एवं मरीजों से संम्बधित व्यक्तिगत सफाई एवं स्वच्छता के क्षेत्र में चिकित्सालय के विभिन्न डिपार्टमेंस के फर्नीचर, मरीजों के उपयोग में आने वाली वस्तुओं का आवश्यकता अनुसार प्रतिस्थापन किये जाने का निर्देश दिया गया।

- चिकित्सालय में एवं परिसर में पैदा होने वाले वायोमेडिकल अवशेष के निस्तारण की दिशा में कर्मचारियों के सामयिक प्रशिक्षण एवं सालिड लिक्विड अवशेषों का बी0एम0डब्लू0 2016 नियमों के आधार पर उनका निस्तारण किया जाना सुनिश्चित हो।

- अस्पताल के बाहर एवं अस्पताल परिसर में होने वाले संक्रमण की रोकथाम के विषय में मरीजों को विभिन्न आई0ई0सी0 एवं अन्य साधनों के माध्यम से चिकित्सालय स्तर से सूचना दी जाये एवं कर्मचारी नर्सो के सामयिक प्रशिक्षण की व्यवस्था की जायें।

- जिलाधिकारी महोदया, द्वारा चिकित्सालय के सपोर्ट सर्विसेज में अपेक्षित परिवर्तन कर के एवं मरीजों से उनका फीड बैक लेने के क्रम मे उचित कदम अठाया जाना एवं अस्पताल परिसर के विभिन्न क्षेत्र मे सिक्युरीटी गार्ड्स की व्यवस्था स्थापित कराने के निर्देश दिये गये।

1. जिलाधिकारी महोदया, द्वारा अपेक्षित किया गया कि जिला चिकित्सालय मीरजापुर में रेडियोलॉजिस्ट एवं अन्य सुविधाएं नही है जिसके लिए चेक लिस्ट में दिये गये इंडिकेटर में रियायत की जानी चाहिए।

2. स्वास्थ्य ईकाईयों की समितियों के सुचारू रूप से कार्य करने हेतु एव कार्यो के समन्वय हेतु एम0बी0ए0 डिग्री धारकों की नियुक्ति पर चर्चा हुई एवं जिलाधिकारी महोदया को अवगत कराया गया कि क्वालिटी एश्योरेन्स से संबधित हासपिटल मैनेजर का पद रिक्त है एवं इसे शीघ्र ही भरने की अपेक्षा है।

3. जिलाधिकारी महोदया, द्वारा निर्देशित किया गया कि चिकित्सालय के आंतरिक निरीक्षण के दौरान आई कमियों के निराकरण हेतु विशेष केन्द्रीकरण की आवश्यकता ळें

4. उपरोक्त बिन्दुओं की चर्चा पर अवलोकन करते हुये जिलाधिकारी महोदया, द्वारा निर्देशत किया गया कि सम्बन्धित सी0एम0एस0/एस0आई0सी0 गैप्स दुर करने हेतु उपलब्ध बजट का अवलोकन करे एवं सम्बन्धित विषय पर बजट के आधार पर प्रत्येक माह के गैप्स क्लोजर की कार्ययोजना बनाकर 10 दिन की अवधि में प्रस्तुत करें एवं उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

उपलब्ध/निर्धारित चेक लिस्ट के आधार पर निरीक्षण करें एवं गैप्स क्लोजर की रिर्पोट कमेटी की बैठक में प्रस्तुत करें जिससे सुधारात्मक कार्यवाही की सके।